वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 299 | सोमवार 26 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री के पूर्वी राजस्थान दौरे का दूसरा दिन

45 हजार करोड़ की ईआरसीपी पूर्वी राजस्थान के लिए साबित होगी जीवनदायिनी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीब कल्याण की योजनाओं को दे रहे मूर्त रूप, अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

धौलपुर, करौली एवं गंगापुर सिटी सहित विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री की आभार एवं स्वागत सभाएं...

मुख्यमंत्री का आमजन ने मालाएं पहनाकर तथा फूल बरसाकर किया भव्य अभिनन्दन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 45 हजार करोड़ रूपए की संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) पूर्वी राजस्थान के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। इससे इस क्षेत्र में सिंचाई तथा पेयजल की बरसों पुरानी समस्या का समाधान होगा तथा खेतों में भरपूर सिंचाई होने से अब यह धरती भी सोना उगलेगी। उन्होंने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी मंशानुरूप इस परियोजना में अब 90 प्रतिशत फंडिंग केन्द्र सरकार द्वारा की जाएगी तथा केवल 10 प्रतिशत अंशदान ही राज्य सरकार को वहन करना होगा। साथ ही, इस परियोजना की डीपीआर में सम्मिलित 26 बांधों के अलावा इसमें 122 बांधों को और जोड़ा जाएगा। शर्मा ने रविवार को पूर्वी राजस्थान दौरे के दूसरे दिन विभिन्न जिलों में आयोजित आभार सभाओं को संबोधित किया। ईआरसीपी से संबंधित ऐतिहासिक एमओयू करने के बाद मुख्यमंत्री का धौलपुर, करौली एवं गंगापुर सिटी जिलों में पहुंचने पर अपार जनसमूह ने भव्य स्वागत किया तथा जगह-जगह मालाएं पहनाकर, फूल बरसाकर एवं नाच-गाकर आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश की प्रगति तभी संभव है जब अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण हो। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय के इसी संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य की हमारी डबल इंजन सरकार गरीबों तथा वंचितों के कल्याण के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण की योजनाओं को धरातल पर मूर्त रुप देने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री जन धन योजना, हर घर शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित ऐसी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है जिससे आम आदमी सशक्त तथा समृद्ध बन सकें। इसी प्रकार राज्य सरकार द्वारा भी पीएम सम्मान निधि को 6 हजार रुपए से बढ़ाकर 8 हजार रूपए करने, किसानों को गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति क्विंटल 125 रूपए का अतिरिक्त बोनस, पेंशन में 150 रुपए की बढ़ोतरी कर 1 हजार 150 रुपए करने जैसे निर्णय लिए गए है जो राज्य सरकार की युवाओं, गरीबों, महिलाओं तथा किसानों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता दर्शाता है।

अन्य प्रदेशों की सरकारों से मिल रहा पूरा सहयोग

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र की तरह ही अन्य प्रदेशों की सरकारों से भी हमें पूरा सहयोग मिल रहा है। ईआरसीपी के ऐतिहासिक एमओयू को साकार करने में मध्यप्रदेश सरकार का सहयोग मिला, तो कोयले की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में छत्तीसगढ़ सरकार ने अहम योगदान दिया। इसके साथ ही, शेखावाटी क्षेत्र को जल उपलब्ध कराने के लिए ताजेवाला हैड वर्क्स के एमओयू में हरियाणा सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पूर्ववर्ती सरकार ने केवल वादे किए, हम हर वादे को करेंगे साकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने राजस्थान की महत्वाकांक्षी परियोजना ईआरसीपी पर केवल राजनीति कर थोथे वादे किए। उनके द्वारा भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति की गई। जबकि हमारी सरकार बनने के मात्र डेढ़ महीने के अन्दर ही इस परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा केन्द्र एवं मध्यप्रदेश सरकार के साथ एमओयू कर वादे को साकार करते हुए इसे धरातल पर लागू करने के लिए रोड मैप भी तैयार कर लिया है। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में किए गए हर वादे को राज्य सरकार समयबद्ध रूप से पूरा करेगी। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि ईआरसीपी परियोजना पूर्वी राजस्थान की जीवनरेखा साबित होगी तथा इस क्षेत्र की तकदीर और तस्वीर बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (एकीकृत ईआरसीपी) को प्रमुख प्राथमिकता वाली 5 लिंक परियोजनाओं में शामिल किया है, जिससे इस योजना पर त्वरित गति से कार्य होगा। उन्होंने कहा कि एकीकृत ईआरसीपी आजादी के बाद प्रदेश की सबसे बड़ी नहर परियोजना होगी जिसमें प्रदेश के नये जिलों सहित कुल 21 जिलों की साढ़े 3 करोड़ आबादी को अगले 5 दशक तक पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना के बाद देश की यह दूसरी नदी लिंक परियोजना है।

दी बार एसोसिएशन जयपुर रेड बनी आरके यादव एवं रवि यादव टूर्नामेंट की विजेता

फाइनल मुकाबले में न्यायायिक अधिकारी इलेवन को 88 रनों हराकर बनी विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार को राजधानी के संस्कार क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए आरके यादव एवं रवि यादव टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दी बार एसोसिएशन जयपुर रेड और न्यायायिक अधिकारी इलेवन के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें पहले खेलते हुए दी बार एसोसिएशन जयपुर रेड टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 222 रन बनाए और रनों का पीछा करने उतरी न्यायायिक अधिकारी इलेवन टीम निर्धारित ओवरों में मात्र 134 रन ही बना सकी। दी बार एसोसिएशन जयपुर सेक्रेटरी राजकुमार शर्मा ने बताया की दी बार एसोसिएशन जयपुर की टीम ने अधिवक्ता अमित छंगाणी की कप्तानी में न्यायायिक अधिकारी इलेवन को 88 रन से हराया। दी बार एसोसिएशन की टीम ने पहले खेलते हुए कप्तान अमित छंगाणी 34 गेंद पर 60 रन एवं समीर खान की 58 रन की पारी की बदौलत 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए, जवाब में रनों का पीछा करने उतरी न्यायायिक अधिकारी इलेवन टीम केवल 134 रन ही बना सकी, दी बार एसोसिएशन जयपुर के गेंदबाज आमिर खान शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट हासिल किए जिसकी बदौलत न्यायिक अधिकारी इलेवन को 88 रन से हरा का सामना करना पड़ा। ट्रॉफी अपने नाम की, फाइनल मुकाबले उम्दा प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज आमिर खान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का कामां में होगा मंगल प्रवेश

सर्व समाज द्वारा की जाएगी आगवानी

कामां. शाबाश इंडिया

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं जैन समाज द्वारा आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पावन सानिध्य प्रदान करने हेतु जैन आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ का 28 फरवरी को प्रातः धर्मनगरी कामां में मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर पर सर्व समाज द्वारा आचार्य संघ की अगवानी की जाएगी। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि अचार्य संघ का रविवार को मथुरा चौरासी से कामां की ओर पद विहार प्रारंभ हुआ। आचार्य संघ गोवर्धन, डीग होते हुए कामां में 28 फरवरी को सुबह मंगल प्रवेश करेगा। रथयात्रा व घटयात्रा 28 फरवरी को प्रातः दीवान मंदिर से प्रारंभ होते हुए बालिका विद्यालय बस स्टैंड पहुंचेगी जहां आचार्य संघ रथ यात्रा में सम्मिलित होगा।

कोसी चौराहे पर होगी आगवानी

विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारीयों के द्वारा अचार्य संघ की अगवानी कोसी चौराहे पर होगी ऐसा प्रथम बार हो रहा है जब जैन संतों का अभिनंदन करने के लिए कामा का सर्व समाज एक साथ कार्य कर रहा है। सात द्वारों से कामां नगरी में होगा प्रवेशः पंचकल्याणक प्रतिष्ठा हेतु कामा की सभी दिशाओं में स्वागत द्वार का निर्माण किया गया है जिनसे अतिथियों व आगुंतकों का प्रवेश होगा।

आचार्य हेमसागरजी महाराज ने किया पत्रिका का विमोचन

श्री वासुपूज्य भगवान जन्मकल्याणक महोत्सव का आयोजन

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 वासुपुज्य दिगंबर जैन बाभुलगांव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 9 मार्च को श्री वासुपुज्य भगवान जन्मकल्याणक महोत्सव व वार्षिक यात्रा महोत्सव का आयोजन सिध्दांत चक्रवर्ती आचार्य हेमसागरजी महाराज की उपस्थिती में संपन्न किया जाएगा। इस कार्यक्रम की संपुर्ण जानकारी वाले पंचरंगी पत्रिका का विमोचन शिवुर के त्यागी भवन में आचार्य हेमसागरजी महाराज ने किया। इस प्रसंग संगस्थ सरिता, जितेंद्र अजमेरा, पारस जांजरी, अनील अजमेरा, भरत अजमेरा, नेमीचंद कासलीवाल, सुभाष चुडीवाल, शिवुर के पूर्व सरपंच नितीन चुडीवाल, निलेश अजमेरा, नितीन अजमेरा, किरण अजमेरा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महा प्रसाद की व्यवस्था लोणी के शिखरचंद वर्धमान संतोष कुमार रिखबचंदजी पाटणी की ओर से किया जाएगा। साथ ही पत्रिका सौजन्य दाता नरेंद्रकुमार किरणकुमार अजमेरा, व इंद्र इंद्राणी के तौरा पर रिना नितीनकुमार अजमेरा उपस्थित रहेंगे। वहीं शिवुर की हेमलता माणिकचंदजी चुडीवाल ध्वजारोहण करेंगी। श्री 1008 वासुपुज्य दिगंबर जैन क्षेत्र बाभुलगांव (बु.) यह छत्रपति संभाजी नगर- नासिक मार्ग के गारज के समीप स्थित है। यहां पर हर मंगलवार को सैकड़ों भक्तों की भीड़ उमड़ती है। जानकारी प्रचार प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा व पियुष कासलीवाल ने दी।

हर्बल चर्म रोग निदान शिविर में डडूका मे 129 रोगी हुए लाभान्वित

डडूका. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा आयोजित प्रथम हर्बल चर्म रोग जांच एवं निदान शिविर मे 129 लोग लाभान्वित हुए। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य एवं शिविर प्रभारी अजीत कोठिया ने बताया की शिविर पुर्व आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता सुंदरलाल पटेल ने की, मुख्य अतिथि डा. गौरांग शाह थे तो विशिष्ट अतिथि डा. श्रीमती शीला शाह, विष्णु प्रसाद रावल, सरपंच रेखा महवाई एवम डा. जसकरण भाबौर थे। प्रारंभ में अजीत कोठिया ने सभी चिकित्सको का स्वागत किया एवं महावीर इंटरनेशनल के सेवा कार्यों की जानकारी दी। डा गौरांग शाह एवम डा शीला शाह को महावीर इंटरनेशनल डडूका द्वारा ''**चिकित्सा गौरव**'' अलंकरण से विभूषित किया गया। सम्मान पत्र वाचन राजेंद्र कोठिया ने किया। आयोजन मे पंजीयन मे जर्नादन राय नागर, योगेश सोनी एवं रणजीत सिंह सोलंकी ने सहयोग किया। सभा को संबोधित करते हुए सुंदरलाल पटेल ने अतिशीघ्र महावीर इंटरनेशनल का नया केंद्र आनंदपुरी में प्रारम्भ करने की घोषणा की। इस अवसर पर डा गौरांग शाह ने उदरामृत चूर्ण, स्प्रे हर्बल दवाई एम जी टी ट्यूब द्वारा एसिडिटी, गैस, पेट दर्द, खून शुद्धि, त्वचा रोग, मुंह के चादे, जीभ के चादे, मुंह के अल्सर के इलाज का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर डडूका, छाजा, आनंदपुरी, आदर्शपूरा, गढ़ी, परतापूर, सरेड़ी बड़ी, टामटिया, रैयाना, खेरन का पारडा,, जौलाना, कानेला, अरथूना, साकरिया सहित 15 से अधिक गांवों के लोगो ने अपना इलाज कराया एवन हर्बल दवाइया

प्राप्त की। आयोजन मे कमला शंकर ताबियार, रोहित आचार्य,कुसुम कोठिया,ललित पाटीदार, अशोक रावल, विजय पाल गेहलोत, अशोक माली, जसवंत रावल, ललिता शंकर जोशी, सहित कई सदस्यों एवम ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार सुंदरलाल पटेल ने व्यक्त किया।

गाजे-बाजे के साथ निकली भव्य कलश शोभा यात्रा, सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मरुधरा नगर पार्क स्थित श्री राम कृष्ण मंदिर में मरुधरा नगर विकास समिति के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। समाज सेवी एमपी सिंह ने बताया कि मरुधरा नगर में श्री राम कृष्ण मंदिर में कथा वाचक प्राण वल्लभ प्रभु के मार्गदर्शन में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 25 फरवरी से 2 मार्च तक सुबह 10 बजे से 5 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मरुधरा नगर विकास समिति की उषा शर्मा एवं मंजू सिंघवी ने बताया कि सुबह 10 बजे हीरा नगर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से कथा स्थल श्री राम कृष्ण मंदिर तक महिलाएं केसरिया एवं पीले रंग की साड़ियां पहनाकर उत्साह एवं उमंग के साथ कलशयात्रा में सम्मिलित हुई। इस अवसर पर महिलाएं बैंड बाजे की मधुर धुनों के ऊपर मंगल गीत गाते हुए भक्ति भाव नृत्य करते हुए कथा स्थल पहुंची, जहां समाज सेवियों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया।

वेद ज्ञान

अनुभव से पैदा होती है समझ

जिंदगी की वास्तविक समझ अनुभव से पैदा होती है। हम अपनी क्षमताओं का समुचित आकलन और नियोजन अनुभव करके ही कर सकते हैं। अनुभव किए बगैर न तो हम अपनी जिंदगी जी सकते हैं और न ही अपने अंदर समाई दिव्य क्षमताओं का परिचय पा सकते हैं। इस सबको जानने, समझने और सही नियोजन करने के लिए हमें उसी रूप में उन्हें महसूस करना चाहिए। हम आखिर हैं कौन और हमारे अंदर क्या है, जो बाहर फूटकर आना चाहता है? क्षमताएं अंदर सुप्त रूप में पड़ी रहती हैं। इन्हें तभी जाग्रत कर निर्दिष्ट कार्य में नियोजित किया जा सकता है, जब हम इन्हें गहराई से महसूस करेंगे। इन्हें हम जितना महसूस करेंगे, उनकी पहचान उतनी ही अधिक होगी। क्षमताओं को महसूस करना बौद्धिक व्याख्या नहीं है और कोई तर्क भी नहीं है कि यह ऐसा होगा या नहीं होगा। इनके बारे में तभी सार्थक रूप से बताया जा सकता है, जब इनकी बारीकियों को हम महसूस करेंगे। जीवन में असीम क्षमताएं समाई हुई हैं, परंतु ये सोई पड़ी हैं। ऐसा कोई भी व्यक्ति नहीं है, जो इन दिव्य विभूतियों से वंचित होगा। सभी में ऐसी महान विभूतियां समाई हुई हैं कि उनके एक अंश उभरकर सामने आने पर मनुष्य कहां से कहां पहुंच सकता है। जीवन की राहें कंटीले कांटों से अटी पड़ी हैं और इन कांटों को भेदकर गुलाब का सुखद स्पर्श किया जा सकता है। क्षमता को सतत प्रक्रिया से उभारा जा सकता है। निरंतर प्रयास से क्षमता निखरती है, परंतु इससे ठीक विपरीत रुक जाने से यह छिप जाती है, ढक जाती है। क्षमता राख की परतों में ढकी हुई होती है, जो इसे महसूस करता है, उसे अंगारों के समान धधका देता है। क्षमता की सही समझ और परिस्थितियों के सही नियोजन से विकास की ऐसी अविरल धारा फूट पड़ती है, जिसे हम 'प्रतिभा' कहते हैं। प्रतिभा कुछ नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं और परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित कर श्रेष्ठ और नया करने के लिए सतत अवसर तलाशने और उसे कर गुजरने के हौसले का नाम है। हम अपनी क्षमताओं को जितना अनुभव करेंगे, हमारी प्रतिभा उतनी ही विकसित होगी। जिंदगी अनुभव की सघनता और प्रगाढ़ता का भंडार है। जीवन को प्रगाढ़ता से अनुभव करने वाले को ही ज्ञानवान कहते हैं।

संपादकीय

अमीन सयानी की आवाज

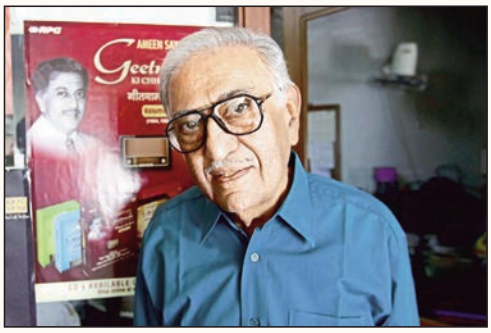

कई बार कोई शख्स अपने व्यक्तित्व के किसी ऐसे खास पहलू से पहचाना जाने लगता है, जो बहुत सारे लोगों के दिल-दिमाग में ठहर-सा जाता है। अमीन सयानी की आवाज और उसके जरिए किसी कार्यक्रम की प्रस्तुति के अंदाज में वही जादू और सम्मोहन था, जिसकी वजह से आज दुनिया भर में लोग उन्हें जानते और याद करते हैं। अब उनके जाने के बाद लोग उन्हें बस याद कर पाएंगे, मगर उनकी आवाज साथ में आसपास कहीं गूंज रही होगी। दरअसल, उनके व्यक्तित्व को एक पहचान देने में उनकी आवाज के साथ किसी कार्यक्रम को पेश करने का उनका सलीका और अंदाज उन तमाम लोगों के दिल में आज भी बसा होगा, जो उस दौरान रेडियो सीलोन पर ''बिनाका गीत माला'' सुनने के लिए अलग से वक्त निकालते थे। उस दौर के लोग याद कर सकते हैं कि कैसे श्रोता रेडियो सीलोन का सिग्नल लगाने के लिए आसपास जगह बदलते थे, उसकी 'लाल सुई' को खिसकाते या रेडियो का रुख बदलते थे, तो कभी आवाज धीमी होने या टूटने की वजह से कान में रेडियो लगा कर गौर से सुनने की कोशिश करते थे। रेडियो पर उनके किसी कार्यक्रम की शुरूआत के साथ ही कई बार यह भी होता था कि अमीन सयानी की आवाज बाद में आती थी, सुनने वाले किसी व्यक्ति के मुंह से उसी अंदाज में पहले निकल जाता था- ''बहनों और भाइयों..!'' उस दौर में रेडियो के जरिए जिस स्वरूप में लोगों को मनोरंजन मिल रहा था, उसमें अमीन सयानी ने अपने कार्यक्रमों से एक खास तरह की गरिमा भरी थी। उनके नाम कई रिकार्ड और पुरस्कार हैं। मगर सबसे अहम पहलू यह था कि क्लिष्ट भाषा के बजाय वे जिस बोलचाल की जुबान में कार्यक्रम पेश करते थे, वह साहित्य प्रेमियों से लेकर आम लोगों तक के दिल में उतरती थी। न जाने कितने लोग होंगे, जो उनके जरिए हिंदी के साथ उर्दू, फारसी शब्दों और गीतों से जुड़े ब्योरों से पहली बार रूबरू हुए होंगे। आज तकनीक की दुनिया ने इतना तो कर ही दिया है कि मशहूर कार्यक्रम बिनाका गीत माला की यादों पर केंद्रित ''सारेगामा कारवां'' से लेकर अन्य रेडियो श्रृंखलाओं और साक्षात्कारों के जरिए लोग जब चाहे उनकी आवाज और उनके अंदाज के साथ हो लेंगे, मगर इसके लिए उनके स्वर की संवेदना के सम्मोहन में भी गहरे उतरना होगा।

परिदृश्य

पहनावा और पहचान?

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि किसी व्यक्ति को उसके पहनावे के आधार पर ऐसी पहचान से जोड़ कर देखा जाए, जिससे उसका दूर-दूर का भी वास्ता न हो और ऐसा करने से उसके लिए कई तरह के जोखिम पैदा हो जाएं। खबरों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में संदेशखाली मामले को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा के एक नेता ने वहां मौजूद एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को सिर्फ इसलिए खालिस्तानी कह दिया कि उसके सिर पर सिख धर्म की पहचान वाली पगड़ी बंधी थी। स्वाभाविक ही भारतीय पुलिस सेवा के उस अधिकारी ने इस पर आपत्ति जाहिर की कि उस पर कोई धार्मिक टिप्पणी कैसे की जा सकती है और उसकी वेशभूषा की वजह से खालिस्तानी की पहचान से कैसे जोड़ा जा सकता है। यह संभव है कि प्रदर्शनकारियों को पुलिस के रवैये या काम करने के तरीके से शिकायत हो, लेकिन इसके खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताने और उचित मंच पर शिकायत दर्ज कराने के बजाय वैसी पहचान को लक्ष्य करके टिप्पणी करना बिल्कुल गलत है, जिसे एक अलगाववादी समूह के तौर पर देखा जाता हो और उसके बारे में लोगों की राय सकारात्मक नहीं हो। पिछले कुछ समय से किसी को पहनावे के आधार पर नाहक ही चिह्नित करने की धारणा पल-बढ़ रही है। किसान आंदोलन में शामिल पंजाब के लोगों के बारे में भी पूर्वाग्रहों से भरी टिप्पणियां करने की खबरें आई थीं। ऐसे मामले अगर अक्सर सामने आने लगें तो इससे न सिर्फ कुछ खास पहचान वाले आम लोगों के लिए मुश्किल पैदा होगी, बल्कि ऐसे पूर्वाग्रहों के शिकार लोगों के भीतर भी अनेक तरह की कुंठाएं और विकृतियां विकसित होने लगेंगी। अव्वल तो एक खास धार्मिक पहचान से जुड़े पहनावे की वजह से किसी पर इस तरह अंगुली नहीं उठाई जा सकती, जिसका कोई आधार नहीं हो, मगर इसका उस पर कई स्तर पर प्रभाव पड़ता हो! फिर आवेश में आकर किसी को सिर्फ कपड़े के आधार पर किसी संवेदनशील पहचान से जोड़ देने के सामाजिक असर और कानून से जुड़ी प्रक्रिया के नतीजों की कल्पना की जा सकती है! ऐसा किसी के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इसके नतीजे संबंधित व्यक्ति के जीवन पर बहुत गलत असर डाल दे सकते हैं। सभी धर्म या समुदाय में सकारात्मक कामों को अपना सामान्य जीवन और दायित्व समझने के बरक्स नकारात्मक गतिविधियों में लिप्त कुछ लोग भी होते हैं। अगर किसी समुदाय के चंद लोग प्रतिगामी और गैरकानूनी कामों को अंजाम दे रहे हों, तो उनकी धार्मिक पहचान के अन्य लोगों को उससे जोड़ कर नहीं देखा जा सकता। सिखों के बीच कुछ लोग अगर अलगाववाद में विश्वास रखते होंगे तो उनसे अलग राय रखने, पीड़ित होने और कई स्तर पर उसका सामना करने वाले लोगों में भी बहुत सारे सिख ही हैं। पश्चिम बंगाल में जिस अधिकारी को लक्षित करके टिप्पणी की गई, वह आधिकारिक रूप से देश के कानूनों को लागू करने की ड्यूटी पर तैनात था। अगर वह अपने दायित्वों के निर्वहन में जानबूझ कर कोई कमी करे, तब उचित मंच पर और कानून के दायरे में निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसका विरोध किया जा सकता है। मगर हैरानी की बात है कि ऐसी टिप्पणियों की गंभीरता और संवेदनशीलता को समझे बिना कई लोग हल्के तरीके से ऐसा बोल जाते हैं, जिससे किसी के लिए जटिल हालात पैदा हो सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक गुरु विनयांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया

आचार्य विद्यासागर को ''भारत रत्न'' देने की मांग रखी। णमोकार महामंत्र का जाप कर आचार्य विद्यासागर महाराज को विनयांजलि दी

टोंक. शाबाश इंडिया

इस युग के महान संत, जिन शासन के उन्नायक, यशस्वी, तपस्वी, जिनधर्म प्रभावक, आचार्य गुरुवर 108 विद्यासागर महाराज का उत्कृष्ट समाधि मरण संपन्न होने के विशिष्ट क्षणो का स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के प्रति समर्पण भाव प्रकट करने के रूप में श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज टोंक द्वारा विनियाँजलि सभा का आयोजन किया गया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पुरानी टोंक में रविवार को आचार्य विद्यासागर महाराज को विनयाँजलि प्रदान की गई। वर्धमान पाठशाला के बालकों द्वारा विनयांजलि गीत प्रस्तुत किया गया। पंडित सुरेश शास्त्री ने आचार्य की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं का वर्णन किया। उन्होंने

बताया कि आचार्य ने 30 जून 1967 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञान सागर महाराज से दीक्षा ली थी उन्होंने अपने जीवन में दही, चीनी, नमक, हरी सब्जी, फल, तेल, अंग्रेजी औषधि, चटाई आदि का पूर्ण रूप से त्याग किया हुआ था ।आचार्य विद्यासागर छोटे बाबा के नाम से विख्यात थे। उन्होंने अपने जीवन काल में 398 दीक्षाएं प्रदान की समाधि मरण से पूर्व अपने प्रथम शिष्य मुनी समय सागर को आचार्य पद प्रदान करने की घोषणा की। विनयांजलि कार्यक्रम में संगीता बिलासपुरिया मधु लुहाड़िया अशोक छाबड़ा कम्मो रानी ने भी आचार्य विद्यासागर के जीवन पर प्रकाश डाला। मुनि सेवा संघ के अध्यक्ष अशोक छाबड़ा ने बताया कि अंत मे उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक णमोकार महामंत्र का जाप कर आचार्य विद्यासागर को विनयाँजलि प्रदान की मुनी सुधा सागर महाराज के मुखारविंद से निकली वाणी के तहत आचार्य विद्यासागर महाराज को ''भारत रत्न'' देने की बात रखी सभी ने निर्णय लिया कि इस हेतु जिला कलेक्टर के माध्यम से भारत सरकार को पत्र लिखा जाएगा कार्यक्रम में राजकुमार चौधरी देवराज काला पिल्लू जयपुरिया सतीश चौधरी निर्मल सोनी नवल चंद सोनी छुट्टन मल कासलीवाल सीमा सोनी बीना चौधरी प्रतिभा चौधरी उर्मिला छाबड़ा इंदिरा सोनी आदि मौजूद थे। राजकुमार चौधरी ने बताया कि मंदिर में वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का एक वर्ष पूर्ण होने पर शांतिनाथ मंडल विधान, पद्मावती माता विधान एवं क्षेत्रपाल बाबा के विधान की पूजा कर इंद्र इंद्राणियों द्वारा 348 अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए।

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का जीवन मानवता के हित के लिए समर्पित रहा

आचार्य श्री विद्यासागर को दीप प्रज्वलित कर दी विनयांजली

सनावद. शाबाश इंडिया

आध्यात्मिक संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के समाधिस्थ होने पर संपूर्ण भारतवर्ष के साथ-साथ सनावद में भी रविवार को विनयांजली समर्पित कर अहिंसा, जीवदया और मानवता का संदेश देकर लोगों को सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यकचारित्र के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया गया। आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पंचपरमेष्ठी का स्मरण करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर मंडल विधान की भाव पूजा की गई। समाज के विद्वान डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि उनके आचार विचार और व्यवहार में हमेशा एकरूपता बनी रही। उनके दर्शन करके व्यक्ति अपने को सौभाग्यशाली मानता था। संतोष बाकलीवाल ने उनके त्याग एवं साधना मय जीवन को आत्महित के अनुरूप बताया। प्रदीप पंचोलिया ने उन्हें अलौकिक संत बताते हुए उनके बताये रास्ते को सुख शांति का प्रतीक बताया। सलित जैन ने उनकी स्मृति में आज भी पौधारोपण किये। प्रभात पंडित ने बताया कि सभी वर्गों के समाजजन उनके त्याग मय जीवन से प्रभावित थे। सुरेश पंडित ने बताया कि वे हमेशा अमर रहेंगे।

राजेंद्र व्यास ने उनके जीवन को प्रेरणा देने वाला बताते हुए धर्म के पथ पर चलने के लिए उनके सिद्धांतों की सराहना की। शुभम जैन एवं धीरेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि युवा समाजजन भी उनसे आकर्षित होकर अनेक व्रत ग्रहण करते थे। सत्येंद्र जैन ने बताया कि वह कठोर से कठोर नियमों का पालन भी सहजता से करते थे। राजेश चौधरी ने बताया कि उन्होंने मुनि धर्म के सच्चे स्वरूप का दिग्दर्शन कराया। उनके संघ में अधिकांश मुनि बाल ब्रह्मचारी हैं। जिन्होंने सांसारिक भोगों से उदासीन रहकर मुनि बनकर त्याग मार्ग को चुना। सम्मी जैन, राकेश जैन, राजेश डोसी, देवेंद्र पहाड़िया, मीना बाकलीवाल, संध्या जैन, प्रिया जैन, वीनश जैन, सुशीला डोसी, वर्षा डोसी, पलक बाकलीवाल ने आचार्य श्री के समाधि मरण पर विनयांजली समर्पित की। अनेक श्रद्धालुओं ने निर्यापक संत मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज की आज्ञानुसार आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीपक प्रज्वलित कर विनय भाव व्यक्त कर स्मरण किया।

अतिशय क्षेत्र रैवासा में हुआ गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन, आचार्य विद्यासागर महाराज को दी विनयांजलि

सीकर. शाबाश इंडिया

निकटवर्ती ग्राम रैवासा स्थित श्री दिगम्बर जैन भव्योंदय अतिशय क्षेत्र में रविवार को गुरु गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया, जिसमे आचार्य विद्यासागर महाराज का स्मरण करते हुए उनको विनयांजलि दी गई। जैन मुनि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का स्मरण करते हुए रविवार को संपूर्ण देशभर में विनयांजलि सभा आयोजित की गई। समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि जैन मुनि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज 18 फरवरी को ब्रह्मलीन हो गए थे। उनकी विधिवत सल्लेखना धारण कर डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन तीर्थ में समतापूर्वक समाधि हुई। रविवार 25 फरवरी को डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत समेत देशभर में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सम्मान में उनका स्मरण करते हुए विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। गुरु गुणानुवाद सभा रविवार को अतिशय क्षेत्र रैवासा प्रबंध समिति द्वारा आयोजित की गई जिसमें सीकर व जयपुर से जैन धर्मावलंबी सम्मिलित हुए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष महावीर ठोल्या व महामंत्री

सुनील बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित महानुभावों द्वारा गुरुदेव के श्री चरणों में विनयांजलि प्रेषित की गई व आचार्य श्री की भक्ति गई। सभा में अतिशय क्षेत्र रैवासा कमेटी के शशि दीवान, देवेंद्र छाबड़ा, विमल झांझरी रेटा, जीवन बड़जात्या व सीकर जैन समाज के विनोद जयपुरिया, दीपक सेठी टोनी, बबिता छाबड़ा, मोनू छाबड़ा, पंडित आशीष शास्त्री, पंडित भुवनेश शास्त्री, जयपुर से पधारे सुनील जैन जयपुर , डा. आभा सेठी जयपुर ने गुरुदेव के चरणों में अपनी विनयांजलि प्रेषित की। मंच संचालन संजय बड़जात्या द्वारा किया गया।

भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष में भारत सरकार ₹100 मूल्य का सिक्का जारी करेगी

दिल्ली। भारत सरकार के गजट (राजपत्र) में वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग द्वारा दिनांक 23 फरवरी 2024 को प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार केंद्रीय सरकार द्वारा भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाण महोत्सव (दीपावली)के अवसर पर ₹100 मूल्य का स्मारक सिक्का जारी किया जाएगा। यह जानकारी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू ने राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के आधार पर देते हुए बताया कि मिश्र धातु से निर्मित सिक्के के निर्माण में चांदी, तांबा, निकल और जस्ता प्रयोग किया जाएगा। सिक्का वृताकार एवं 44 मिली मीटर का होगा एवं उसका मानक वजन 35 ग्राम होगा। सिक्के के अग्र भाग पर मध्य में अशोक स्तंभ का सिंह शीर्ष होगा और उसके नीचे "सत्यमेव जयते" उत्कीर्ण रहेगा, उसकी बायीं परिधि पर देवनागरी में भारत और दायीं परिधि में अंग्रेजी में INDIA लिखा रहेगा। सिंह शीर्ष के नीचे रुपए का और अंतरराष्ट्रीय अंकों में अंकित मूल्य ₹100 भी लिखा होगा। सिक्के की पृष्ठ भाग के मध्य में पावापुरी के जल मंदिर का चित्र एवं उसके नीचे पावापुरी निर्वाण भूमि उत्कीर्ण रहेगा। सिक्के की बायीं परिधि में अंग्रेजी में BHAGWAN MAHAVEER 2550 NIRVAN KALYANAK अंकित रहेगा एवं सिक्के की निचली परिधि पर दो बिंदुओं के बीच वर्ष 2023 लिखा रहेगा।

जयपुर विंटेज और क्लासिक कारों की प्रदर्शनी आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर विंटेज और क्लासिक कारों की प्रदर्शनी शनिवार को जय महल पैलेस में हुई। यहां 1913 फोर्ड मॉडल टी,1931कैडिलैक वी16, जैसी लगभग 120 विंटेज, क्लासिक और मॉडर्न क्लासिक कारें देखने को मिलीं। 'प्लायमाउथ सेवॉय' कार की चाबी 2019 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है 'और 1924 की 'बेबी ऑस्टिन' को 3 पीढ़ियां अभी तक चला चुकी हैं। इन सभी विंटेज कारों की रैली निकाली गई। इस प्रदर्शनी का आयोजन राजपूताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब और पर्यटन विभाग की ओर से किया गया। उद्घाटन जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ और पंजाब के पूर्व गवर्नर वीपी सिंह बदनौर ने किया। इस मौके पर पर्यटन विभाग के उप निदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत, क्लब के संस्थापक अध्यक्ष दयानिधि कासलीवाल, उपाध्यक्ष सुधीर कासलीवाल और सचिव अविजित सिंह मौजूद रहे। ग्लैमर की दुनिया की प्रसिद्ध मॉडल प्रियांशी जैन उपस्थित रहे।

डॉ राजीव-अंजू जैन

सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

26 फरवरी' 24

9829262723

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या

संस्थापक अध्यक्ष: राकेश - समता गोदिका

सचिव: राजेश - रानी पाटनी

कोषाध्यक्ष: दिलीप - प्रमिला जैन

सांस्कृतिक सचिव: कमल-मंजू ठोलिया

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

नए दृष्टिकोण के शिविर हेतु संगिनी मैन उदयपुर ने किया सहयोग

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संगिनी मैन की उपाध्यक्ष उर्मिला जैन की ओर से संगिनी मैन के बैनर तले एक लाख रुपए की सहायता राशि सन टू ह्यूमन फाउंडेशन के अर्णव एवं संजय भण्डारी को ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन के निवास स्थान पर मेवाड़ रीजन चेयरमैन अनिल नाहर, जेएसजीआईएफ के सह-सचिव एवं रीजन के निवर्तमान चेयरमैन मोहन बोहरा, रीजन सचिव महेश पोरवाल, रीजन उपाध्यक्ष सुभाष मेहता के सानिध्य में प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में ग्रुप की सह सचिव कमला नलवाया, कार्यकारिणी सदस्य लाजवंती धाकड़, चंद्रकला जैन,शशि जैन, प्रभा जैन कविता जैन, प्रेमलता चपलोत, अंजना बापना आदि सदस्यों के साथ ही हिम्मत जैन, प्रवीण मेहता, राजेंद्र जैन ,अनिल चपलोत, जितेंद्र धाकड़, गौतम नागौरी, इन्दु नागौरी के एस नलवाया की भी गरिमामय उपस्थिति रही। यह जानकारी ग्रुप अध्यक्ष डॉ प्रमिला जैन ने दी।

खंडेलवाल वैश्य हितकारिणी सभा ने बसंतोत्सव का आयोजन किया

जयपुर। श्री खंडेलवाल वैश्य हितकारिणी सभा ने **बसंतोत्सव** का आयोजन किया, जो अपने विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के लिए तीन वर्षों के लिए शैक्षिक दृष्टि दस्तावेज़ के शुभारंभ के लिए समर्पित था। यह नीति छात्रों को सर्वांगीण व्यक्तित्व वाले व्यक्तियों में विकसित करने का उद्देश्य रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, ये संस्थान एक अनुकूलनीय, सहयोगी और तकनीकी रूप से उन्नत शिक्षण वातावरण बनाने का लक्ष्य रखते हैं। यह शैक्षिक दृष्टिकोण छात्रों को केवल अकादमिक उत्कृष्टता के साथ सुसज्जित करने के लिए ही नहीं है, बल्कि समग्र विकास को बढ़ावा दिया जा सके, जिसमें रोजगारपरक कौशल और के साथ-साथ सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास व आध्यात्मिक आधारित शिक्षा शामिल है।

इस अवसर पर, छात्रों के लिए कौशल मूल्यांकन और प्लेसमेंट आयोजित करने के लिए दो MOU पर भी हस्ताक्षर किए गये। पहला MOU एम्प्लोयेर्स एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान (EAR) के साथ किया गया जिसमे एम्प्लोयेर्स एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान, हितकारिणी सभा के अन्तर गत संस्थानो के छात्रों के लिय कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन करेंगे एवं उद्योगों एवं नियोक्ताओं के यहाँ पर रेगुलर विजिट एवं जॉब प्लेसमेंट की तैयारी करवाई जाएगी. दूसरा MOU एडुबिल्ड एक आर्टिफीसियल इंटेलीजेंट बेस्ड चैट GPT स्टार्टअप है जो की स्किल असेसमेंट, मोक इंटरव्यू एवं सॉफ्टस्किल एवं employable स्किल के लिए छात्रों को तैयार करता है, के द्वारा हितकारिणी सभा अन्तर्गत संस्थानो के छात्रों को जॉब तैयार करेंगे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि झब्बर सिंह खर्रा, राज्य मंत्री (यूडीएच और एलएसजी) राजस्थान द्वारा विज़न डॉक्यूमेंट का विमोचन किया गया। गोपाल शर्मा , विधायक (सिविल लाइंस) जयपुर, सीताराम गुप्ता , पूर्व कार्यकारी निदेशक, लुपिन फाउंडेशन, ज्योति खंडेलवाल पूर्व महापौर और कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्र मनोहर बटवाड़ा, विधायक प्रत्याशी, किशनपोल द्वारा की गयी। अजय कुमार गुप्ता, महासचिव के स्वागत भाषण में संस्थान वीज़न डॉक्यूमेंट को लागु कर खंडेलवाल समाज के शिक्षा संस्थाओं को शीर्ष स्थान पर लाये जाने का उद्देश्य लेते हुए अगले दो सालों में योजना बना कर कार्य करने का संकल्प का आह्वान किया गया। ज्ञान चंद खंडेलवाल, अध्यक्ष ने यह बताया कि नीति सुनिश्चित करेगी कि श्री खंडेलवाल वैश्य हितकारिणी सभा के अंतर्गत शिक्षण संस्थान जयपुर में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए आयाम स्थापित करेंगे। सीए दिनेश कुमार नाटाणी संयुक्त मंत्री (कार्यालय) ने मंच संचालन किया।हितकारिणी सभा के सभी पदाधिकारियों ने एवं अन्तर्गत समितियां के पदाधिकारियों ने आने वाले सभी समाज बंधुओं का स्वागत किया गया।

आचार्य भगवन महामुनिराज 108 श्री विद्या सागर जी गुरुवर विनयान्जली सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, चोमू बाग, सांगानेर मे आचार्य श्री भगवन महामुनिराज 108 विधा सागर जी महाराज जी के देवलोकगमन पर सकल दिगम्बर जैन समाज की सामूहिक विनयान्जली सभा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विनयांजलि कार्यक्रम का प्रारंभ आचार्य श्री के चित्र अनावरण-दीप प्रज्वलन मूल चन्द, प्रभास चन्द पाटनी, महेन्द्र कुमार जी,दीपक कुमार जी जैन-बड़जात्या ने किया। जिसके तत्पश्चात महामन्त्र के जाप सामूहिक रूप से किए गए ।जिसमे समाज के गणमान्य लोगो ने सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन किया और सकल दिगम्बर जैन समाज और प्रबंध कार्यकारिणी की आम सहमती पर विधा सागर सोलर योजना का शुभारंभ किया जिसके तहत सभी सम्मानीय महानुभाव परिवार जन ने आर्थिक सहयोग प्रदान करने की स्वीकृती प्रदान कर पुण्यार्जन किया। मंदिर कमेठी के मन्त्री पारस मल जैन (सोगाणी) ने बताया कि आचार्य महामुनिराज विधा सागर जी के सन्दर्भ मे मन्दिर कमेटी के महामन्त्री मुकेश कुमार मोठया,मन्त्री पारस मल जैन (सोगाणी), नाथू लाल बाकलीवाल, कुलदीप अजमेरा,श्रीमती सपना-स्वतन्त्र कुमार ,सुधा ने अपने विचार प्रकट कर विनयांजलि समर्पित कर उन्हे याद कर नमन किया। समाज के अधिकांश गणमान्य लोगो ने सहभागिता प्रदान कर पुण्यार्जन किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि,आचार्य प्रवर श्री 108 विद्यासागरजी महामुनिराज की सम्यक समाधि समता पूर्वक हो जाने पर भावपूर्ण विनयाञ्जलि सभा रविवार दिनांक 25 फरवरी प्रातः 9 बजे

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर के स्वाध्याय भवन में आयोजित की गई। सभा का शुभारंभ श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्यासागर पाठशाला दुर्गापुरा जयपुर के बच्चों एवं शिक्षक रिंकू सेठी छवि जैन दीपक जी शास्त्री ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मंगलाचरण की प्रस्तुति श्रीमती मुन्ना देवी जी जैन सौगानी ने की। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि कार्यक्रम में पाठशाला के बच्चों ने एवं अभिभावकों ने आचार्य श्री के समर्पण, त्याग, तपस्या के बारे में बताते हुए अपने अनुभव प्रकट करते हुए विनयांजलि प्रस्तुत की। सभा में पंडित चन्दन मल अजमेरा, सुनील कुमार जैन संगही, महावीर प्रसाद बाकलीवाल, श्रीमती रेखा पाटनी, जय कुमार जैन, भाग चन्द बाकलीवाल, ललित काला, कैलाश सौगानी, निहाल दोसी, भाग चन्द पाटनी, राहुल ज पाटोदी, विजय चंद मुसरफ, महेन्द्र कुमार गंगवाल, रणजीत कासलीवाल, सुनील कुमार काला, पाठशाला परिवार, महिला मण्डल एवं महा समिति त्रिशला संभाग की सदस्याएं, श्रीमती रेणु पांड्या, श्रीमती मीरा पापड़ीवाला उपस्थित थे। संचालन राजेन्द्र काला ने किया।

निवाई जैन समाज ने निवाई में सिद्ध चक्र महामंडल विधान में पावन सानिध्य प्रदान करने हेतु आर्यिका संघ को किया श्री फल भेंट

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी स संघ को आज निवाई जैन समाज के श्रावकों ने निवाई में आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान में पावन सानिध्य हेतु श्रीं फल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि फागी कस्बे से आर्यिका संघ का 1 मार्च 2024 को निवाई के लिए भव्य मंगल विहार होगा तथा निवाई के संत निवास जैन नसियां में 17 मार्च से 25 मार्च तक आयोजित सिद्ध चक्र महामंडल विधान में उक्त संघ मंगलमय सानिध्य प्रदान करेगा। कार्यक्रम में आज निवाई जैन समाज के महावीर प्रसाद जैन पहाडी वाले, सुनील भांणजा, सुनील जैन चेनपुरा, राजैन्द्र जैन सहित अनेक गणमान्य प्रबुद्ध जनों ने श्री फल भेंट आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उक्त समय स्थानीय अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, मंत्री कमलेश चोधरी,विमल कलवाडा, पवन कागला, अशोक गिंदोडी,पारस मोदी तथा राजाबाबू गोधा उपस्थित थे।

विद्या विनयांजलि सभा का आयोजन कर आचार्य श्री के व्यक्तित्व और कृतित्व को आत्मसात करने का संकल्प लिया

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में सकल जैन श्री संघ की ओर से रविवार को आचार्य श्री विद्या सागरजी महाराज के मोक्षगमन पर आयोजित विनयांजलि सभा में श्रद्धालुओ ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व और कृतित्व का गुणाववाद कर अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार स्थानीय आदर्श कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन जिनालय परिसर में रविवार को दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष सुशील काला एवम् महामंत्री मनोज पटवारी की अगुवाई में आयोजित विन्यांजली कार्यक्रम में सदी के महान संत आचार्य विद्या सागर महाराज के बताए मार्ग ओर धर्म दिशा का स्मरण करते हुए उनके व्यक्तित्व एवम्-कृतित्व के प्रति समर्पण को सकल जैन समाज से संबद्ध समाज अध्यक्ष सुशील काला, जैन श्वेतांबर खतरगच्छ के सुरेंद्र चौधरी, अखिल भारतीय दिगंबर जैन महासभा की पूर्व संभागीय अध्यक्षा इंदु बाला सोनी, श्रीसाधुमार्गी श्रावक संघ के महामंत्री सुशील नागोरी, दिगंबर जैन महिला मंडल अध्यक्षा शशि जैन, पायल जैन, दिगंबर जैन समाज कोषाध्यक्ष कमलेश कोठारी, मंत्री जीवनधर पाटनी, मुनि सेवा समिति अध्यक्ष अमित सेठी, उपाध्यक्ष राजेश गंगवाल, जैन श्वेतांबर तेरा पंथ अध्यक्ष

बाबू लाल सिंघवी, वंडर सीमेंट के विपुल काला, प्रवचनकार प्रवीणा दीदी अग्रवाल, नरेंद्र पटवारी आदि वक्ताओं ने अपने संघ समाज की ओर से विन्यांजलि प्रकट कर उनकी जीवन पर्यन्त धर्मचर्या पर गुणगान कर अपने जीवन में आत्मसात करते हुए जिन धर्म को बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज सहित जैन श्वेतांबर तेरापंथ समाज , जैन श्वेतांबर विजयगच्छ श्री संघ ,जैन श्वेतांबर तपागच्छ श्री संघ, जैन श्वेतांबर खतरगच्छ श्री संघ, जैन श्वेतांबर त्रि स्तुतिक श्रीसंघ ,अखिल भारतीय जैन शांत क्रांत श्रीसंघ, श्री साधुमार्गी श्रावक संघ, वर्धमान स्थानक वासी जैन श्रावक श्री संघ के अलावा नगर के विविध सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक संस्थाओं के सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

वैश्विक विनयांजली सभा आयोजित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

धर्म गुरुओं के निर्देशानुसार रविवार को मध्यान्ह पूरे देश एवं विदेश में एक ही समय एक साथ संत शिरोमणी आचार्य भगवंत श्री 108 विद्यासागरजी महाराज का देवलोकगमन पश्चात भाव-भीनी श्रृदांजलि अर्पित की गई। इसी क्रम में कुचामन नगर में महावीर भवन के चिन्मय संत भवन में जैन समाज द्वारा सर्वसमाज की विनयांजली सभा का आयोजन किया गया। सभा का शुभारंभ अजमेरी मन्दिर अध्यक्ष जयकुमार पहाड़िया नागौरी मन्दिर के कैलाशचन्द पान्ड्या, जैन वीर मण्डल के अध्यक्ष शोभागमल गंगवाल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना गुप्ता, टैगोर इन्टरनेशनल डायरेक्टर सारिका चैधरी, न्यू मॉडर्न ग्रुप के डायरेक्टर देवीलाल दादरवाल, कुचामन विकास समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा, पूर्व चेयरमेन गौरुराम कुमावत द्वारा आचार्यश्री को परम पद प्राप्ति के भावना के साथ उनके आदमकद चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। विनयांजली सभा का शुभारम्भ श्रीमती मीना पहाड़िया के मधुर एवं भावपूर्ण भजन गायन के साथ किया गया। पूर्व एस.बी.आई मैनेजर पवनकुमार गोधा ने आचार्यश्री का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। जीव दया सेवा समिति के अध्यक्ष नरेश जैन ने आचार्यश्री के गौ माता एवं अन्य जीवों के प्रति करुणा भाव का स्मरण किया। श्रीमती सुनिता रावंका ने बलराम पटेल व उनके परिवार के आगाध श्रृद्धा का वृतान्त सुनाया। सारिका चौधरी ने आचार्यश्री के भौतिक शिक्षा कम प्राप्त करने के उपरान्त भी उन्होने गहन साधना से जो ज्ञान प्राप्त किया उस ज्ञान से उजयारा फैलाया उस बारे में विस्तार से बताया। डॉ. कल्पना गुप्ता ने उनके द्वारा प्रदत दीक्षाओं का जिक्र करते हुए बताया कि किस प्रकार बडी-बडी डिग्रियों एवं बडे-बडे पैकेज प्राप्त सैकडों की संख्या में युवाओं ने आचार्यश्री के चरित्र से प्रभावित होकर उनसे दीक्षाएं प्राप्त कर अपना जीवन मोक्ष की तरफ मोड़ लिया। कुविस अध्यक्ष ओमप्रकाश काबरा ने आचार्यश्री के हथकरघा, खादी व स्वदेशी सामग्री प्रेम एवं इंडिया को भारत बनाने के योगदान को देश के लिए अविस्मरणीय बताया। पूर्व चेयरमेन गौरुराम कुमावत ने कहा कि आचार्यश्री के अपनाये दस दोषों के निवारण में से आमजन अगर एक भी दोष को त्याग दे तो यह उनको सच्ची श्रृदांजली होगी। जैन वीर मण्डल अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल द्वारा प्रस्तुत मार्मिक भजन पर सभी श्रृद्धालुओं की आँख नम हो गई। विराग महिला मण्डल की मंत्री बरखा पाटनी ने आचार्यश्री की प्रेरणा से स्थापित प्रतिभा स्थली में सभी समाज वर्ग की लड़कियों की दैनिक चर्या एवं उच्च निःशुल्क अध्ययन के बारे में जानकारी देते हुए उनकी प्रेरणा से स्थापित औषधालयों, गौशालाओं, महिला स्वालम्बी कार्यक्रमों को राष्ट्र के लिए एक अनुपम सौगात बताया। गायत्री परिवार के नथमलजी ने बताया कि दक्षिणवर्ती अनेक धर्म प्रचराकों में आचार्यश्री विद्यसाससागरजी एक अलौकिक संत थे जिनके उपदेशों के श्रवण मात्र से जीवन का कल्याण हो सकता है। मुन्नीदेवी झांझरी ने आचार्यश्री के अपने गुरु भक्ति एवं संघस्थ त्यागी वृतियों के प्रति वात्सलय भाव को उजागर किया। सुमन झांझरी ने कहा कि आचार्यश्री के वियोग में पूरा सामज भले ही अपने आप को अनाथ समझ रहा हो किन्तु ऐसे अरिहन्त सम आचार्य श्री हर सुख-दुःख में सदैव अपना आशीर्वाद भक्तों पर बनाये रखते थे। अशोक झांझरी ने आचार्यश्री द्वारा लिखित ग्रन्थों, काव्य संग्रहों एवं प्रवचनों को मानव मात्र के लिए अनमोल धरोहर बताया। इस अवसर पर मूलचन्द बागड़ा, विष्णु शर्मा, शेखर कडवा, कुंजबिहारी जोशी, विजय पारीक, देवेन्द्र पहाड़िया, प्रमोद पान्ड्या, विनोद गंगवाल, लालचन्द पहाड़िया, संजय रावंका, अनिल काला, अशोक अजमेरा, मनोज पाटोदी, राजकुमार बज, विनोद झांझरी सहित बड़ संख्या में स्त्री व पुरुष उपस्थित रहे।

रामदेव भण्डारा सेवा समिति की बैठक आयोजित

भण्डारा स्थल पर समिति करेगी शैड का निर्माण

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के प्राचीन धाम श्री रामदेव मंदिर में आज बाबा श्री रामदेव भण्डारा सेवा समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जसवंत बैनीवाल ने की। इस बैठक में वर्ष 2023 के भण्डारे का लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया ओर आगामी भण्डारा स्थल पर शैड के निर्माण हेतु कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा तैयार की गई। वहीं समिति द्वारा जलपान की व्यवस्था भी की गई। बैठक में बाबा रामदेव भण्डारा सेवा समिति के प्रवक्ता एम.पी. तंवर ने बताया कि समिति हर वर्ष रामदेवरा पैदल यात्रियों के लिए बीकानेर से 60 किलोमीटर आगे सांखला फांटा के पास जैसलमेर रोड़ पर भण्डारे का आयोजन करती है। भण्डारा स्थल पर समिति टेंट लगाकर भण्डारा का आयोजन करती आ रही है जिसके चलते बरसात आदि समय में समिति को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसी को लेकर अब समिति ने निर्णय लिया है कि इस भण्डारा स्थल पर शैड का निर्माण किया जाएगा। जिससे रामदेवरा पैदल यात्रियों को काफी सुविधाएं उपलब्ध होगी। जिसको लेकर समिति के पास वर्ष 2023 कार्यकाल के करीब 12 लाख रुपए जमा है और शेड निर्माण के लिए करीब लगभग 21 लाख रुपए खर्च होने का अनूमान है जिसके बाद भण्डारा स्थल शैड का निर्माण करवाया जाएगा और आगामी वर्ष 2024 का भण्डारा शैड की छाव में ही आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समिति द्वारा बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सेवादारों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर गुलजारी नम्बरदार, मदन चाचान, जगदीश खलेरी, हरी सिंह, प्रभुराम गोदारा, राजेंद्र वर्मा, सुरजीत स्वामी, गोबिंद टांटिया, हरिराम बांसल, सोनू वर्मा के अलावा भण्डारे की ग्रामीण संस्थाओं के पदाधिकारियों व सेवादारों ने भी भाग लिया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर जयपुर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर जयपुर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर रविवार, 25 फरवरी 2024को शुभम केयर हॉस्पिटल गिरिराज नगर,इस्कॉन रोड , मानसरोवर, जयपुर में आयोजीत किया गया। शिविर का शुभारंभ प्रातः 10 बजे किया गया सुनील बज कार्याध्यक्ष राजस्थान रीजन व निवर्तमान अध्यक्ष गुलाबीनगर ने दीपप्रजवलित कर मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। **दिगंबर जैन सोश्यल ग्रुप गुलाबी नगर जयपुर के संयोजन में निःशुल्क चिकित्सा जाँच:** शिविर में 103 व्यक्तियों ने विभिन्न प्रकार की जांच का लाभ लिया। तथा 32 व्यक्तियों ने फिजियोथेरेपी सुविधा का लाभ लिया। ब्लड प्रेशर की जांच, की जांच, हीमोग्लोबिन की जांच, पेप्स स्मीयर की जाँच थाइरोइड की जाँच की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में सुशीला बड़जात्या अध्यक्ष महावीर मुन्नादेवीपांड्या सचिव, राजेंद्र छाबड़ा,सह सचिव सचिव श्रीमती शाशि अनिल जैन , उमा प्रवीण सेठी,विनोद किरण झाँझरी, चंदा चंद्रप्रकाश छाबड़ा , प्रकाश कांता पाटनी, आशा रतन सोगानी, बेनी प्रसाद अजमेरा, पदमचंद भावसा विशिष्ट परामर्शक ने शिविर में शिरकत की। कार्यक्रम के समापन पर श्रीमती सुशीला बड़जात्या अध्यक्ष ने व विनोद बड़जात्या ने सभी आगुंतकों को धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया शिविर में डॉ शैलेष जैन स्त्रीरोग विशेषज्ञ, डॉ मीनाक्षी, डॉ सपना जाइंपैथोलॉजिस्ट, स्त्री रोग

विशेषज्ञ श्री डॉ अजय सिंह परमार डॉ लवीना सेवानी, फिजियोथेरेपिस्ट को गुलाबीनगर के सदस्यों द्वारा सम्मनित किया गया।

सीकरी में जैन संत विद्यासागर जी के समाधिमरण पर विनयांजलि सभा का हुआ आयोजन

सीकरी. शाबाश इंडिया

जैन संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी गुरुदेव के सल्लेखनापूर्वक समाधिमरण पर सीकरी जैन मंदिर में रविवार को सामूहिक गुरु विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया। युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि आचार्य श्री के सल्लेखनापूर्वक समाधिमरण पर पूरे विश्व में रविवार को एक साथ विनयांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें सीकरी शहर के जैन मंदिर में भी आचार्य भगवन् श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के समाधिमरण पर सामूहिक गुरु विनयांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसका प्रारम्भ गुरुदेव के छायाचित्र पर समाज के बुजुर्गों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिसके बाद समाज के अध्यक्ष संतोष जैन, युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन, शिखर भगत जी, धर्मचंद जैन, ममता जैन व कोमल जैन आदि ने अपने मन के भावों को शब्दों के जरिए प्रस्तुत कर गुरुदेव के प्रति विनयांजलि अर्पित की। शिखर भगत जी ने आचार्य श्री के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला तो वहीं युवा परिषद् के अध्यक्ष पुष्पेन्द्र जैन ने माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा आचार्य श्री के प्रति अपने भाव प्रकट करते हुए लिखा गया लेख पढ़कर सुनाया। समाज के सभी महिला, पुरुष, युवा व बच्चों ने आचार्य श्री को याद कर उनके श्री चरणों में अपनी विनयांजलि अर्पित की। इस अवसर पर नेमचंद्र जैन, नरेश जैन, राजेन्द्र जैन, जयन्ती जैन, मगन जैन, अरुण जैन, जिनेन्द्र जैन, देवेन्द्र जैन, मुकेश जैन आदि मौजूद रहे।

जैन मन्दिर, पारस विहार में श्रीजी हुए भव्य समारोह में वेदी में विराजमान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन मन्दिर, पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुरा, मुहाना में बड़े हर्षोल्लास से श्री जी वेदी में विराजमान हुए। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि देवश्रमण आचार्य श्री 108 कुशाग्र नंदी जी गुरु देव के आशीर्वाद से श्री 1008 चन्द्र प्रभ, पुष्पदंत, चौबीस भगवान, शान्ति नाथ, मुनिसुव्रत नाथ भगवान की प्रतिमाओं के पुण्यार्जक नरेश धर्मेश अजमेरा झ्र गुलाब बिहार मुहाना, सुभाष गौरव पाटनी - लक्ष्मी निकुंज, धर्मेन्द्र शैलेष देवांशु गोदीका - पारस विहार, ज्ञान चंद आशीष अंकित सोगानी झ्र सांगानेर, सुरेन्द्र -निर्मला चांदवाड झ्राधा निकुंज सपरिवार द्वारा दिनांक 25.2.24 को प्रातः 7:30 बजे पंचामृत अभिषेक, शान्तिधारा एवं कल्याण मंदिर स्त्रोत मंडल विधान सकल दिगंबर जैन समाज क साधर्मी जन समुह में सम्पन्न होने के पश्चात प्रतिष्ठाचार्य निर्मल बोहरा के सानिध्य में सभी प्रतिमाओं को वेदी पर विराजमान किया। प्रथम अभिषेक ज्ञान चंद पारस नितिन अंकित सौगानी सांगानेर वाले एवं शांतिधारा मोती लाल छाबड़ा द्वारा की गई।इस अवसर पर प्रतिष्ठाचार्य निर्मल बोहरा द्वारा आचार्य श्री विद्या सागर जी के जीवन पर प्रकाश डाला, आए सभी भक्तगणों द्वारा विनयांजलि प्रदान की गई।

पदमावती कॉलोनी निर्माण नगर द्वारा आचार्य विद्यासागर विनयांजलि का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज पदमावती कॉलोनी निर्माण नगर द्वारा संत शिरोमणि, चरित्र शिरोमणि , विद्यासागर जी महाराज के सल्लेखना पूर्वक समाधिमरण पर विनयांजलि सभा आयोजित की गई । जिसका संचालन पंडित राहुल शास्त्री द्वारा किया गया । गुरु गुणानुवाद के क्रम में विमला ठोलिया, मंजू जैन,त्रिशला जैन , प्रियंका जैन आदि ने गुरुवर प्रति अपनी भाव भीनी विनयांजली प्रस्तुत की। कार्यक्रम की विशेषता रही कि 30 से अधिक लोगो ने अपने पसंदीदा फल का आजीवन त्याग किया । नरेश झांझरी ने कार्यक्रम के प्रारंभ में आचार्य श्री के जीवन पर प्रकाश डाला। विद्या सुधा जैन संस्कार पाठशाला के बच्चो ने भी अपनी अपनी प्रतुति दी और आचार्य श्री को याद किया जिसमे मोनिक जैन, वर्णिका जैन धीरा जैन, दक्ष, प्रथम आदि रहे ।

विनयांजलि सभा का हुआ आयोजन

मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

जुलूस तथा विनयाजंली सभा पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिलाके लालगोला गांव पर हुया जिसमें जिलाके और 7 गांव जैसे धुलियान अरगांबाद जंगीपुर गनकर सन्मतिनगर जियागंज बरहमपुर तथा पाकुर नलहटी मालदा के लोग शामिल थे ग्यात हो मुर्शिदाबाद जिला सब गांव एकसूत्र में जुड़े हुए है जहा रात्रिविवाह व मृतक भोज व भेंट वर्जित है। **-संजय कुमार जैन बड़जात्या-मुर्शिदाबाद**

जैन सोशल ग्रुप सनशाइन के तत्वावधान में मासिक सेवा कार्य किया गया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सनशाइन ,ब्यावर के द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को एक सेवा कार्य किया जाता है। इस माह जैन दादाबाड़ी में स्थित पक्षिशाला में पक्षियों को दाना डाला गया जिसमे संस्था की तरफ से 21 कट्टे दाना डाला गया। इस सेवा कार्य में संस्था के अध्यक्ष विक्रम सांखला, उपाध्यक्ष महेंद्र नाहटा,सचिव प्रतीक खटोड़, पूर्व अध्यक्ष पंकज डेढिया, विनोद श्रीश्रीमाल, नरेंद्र सुराना, राहुल बाबेल, अंकुश बोहरा, अमित बोहरा, दीपेश तातेड, विकास श्रीश्रीमाल, विशाल नाहर, ईशा नाहर, लब्धी सांखला, भव्यांशी, कविशा खटोड़ साथ ही पक्षिशाला के संचालक वीरेश सांखला, विकास बुरड़ एवम अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष विक्रम सांखला इस सेवा कार्य में पधारे सभी सदस्यो को धन्यवाद दिया।

श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र आहार जी में विनयांजलि सभा का किया गया आयोजन

मुकेश जैन लार. शाबाश इंडिया

टीकमगढ़। श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र आहार जी में परम पूज्य आचार्य भगवान श्री विद्यासागर जी महाराज की समाधिमरण उपरांत आज अंतरराष्ट्रीय विनयांजलि कार्यक्रम का परम पूज्य मुनि श्री पुण्य सागर महाराज जी के मंगल सानिध्य में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रजवालित कर किया गया। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र सिंघई द्वारा विनयांजलि व्यक्त करते हुए कहा की आचार्य श्री खुद अपने जीवन में इतने शांत थे उनके लिए शांति की प्रार्थना करना व्यर्थ है बल्कि उसके स्थान पर तो हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए। आचार्य श्री जिस तरह हम सभी से बिछड़े पूरे विश्व को विरान कर गए वह त्याग तपस्या की सच्ची मूर्ति तो जैन संत होते है। हम उनसे जितना सीख सकें सीख लें यही उनके प्रति सच्ची विनयांजलि होगी। क्षेत्र कमेटी के उपाध्यक्ष दिनेश जैन शिक्षक लार द्वारा विनयांजलि व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य श्री ने भारत की मातृभाषा हिंदी को पुनः राष्ट्रभाषा का स्थान दिलाने में आचार्य श्री का बड़ा योगदान रहा है। अंत में परम पूज्य मुनि श्री पुण्य सागर महाराज जी द्वारा प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्य श्री ने राष्ट्र निर्माण के लिए जो कार्य किए हैं उन्हें कभी विस्मृत नहीं किया जा सकता है। भारत को पुनः भारत की ओर लौटने की जो प्रयास आचार्य श्री ने किए हैं वह आज सार्थक नजर आ रहे हैं। भाव सहित विनयांजलि अर्पित करने वालों में राजकुमार पठा महामंत्री,विजय कोठिया मंत्री,वीरेन्द्र जैन प्रबंधक,डाक्टर शिखर चंद्र जैन अजित जैन लड़वारी महेन्द्र जैन शिक्षक मलगुवा कैलाश करेया खरगापुर वीरेन्द्र सापोन राजेश जैन लार समलित हुये। कार्यक्रम का संचालन संघस्थ भैया जी द्वारा किया गया।

सामूहिक विनयांजलि सभा का हुआ आयोजन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे में पिछले दिनों राष्ट्रीय जैन संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज की छत्तीसगढ़ के डोगरगढ़ में समतापूर्वक समाधिमरण पर भैसलाना के श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में णमोकार महामंत्र का जाप किया गया वही आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विनयांजलि दी गई जैन समाज के राजकुमार पाटनी ने बताया कि दोपहर 1 बजे से णमोकार महामंत्र का जाप किया गया और गुरुदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया जिसके बाद मौजूद लोगों ने गुरुदेव को विनयांजलि देते हुए अपने अपने विचार प्रकट किए। विन्यांजलि के दौरान बाजार स्तिथ जैन समाज के सभी प्रतिष्ठान बंद रहे इस दौरान महावीर प्रसाद, राकेश जैन, सुशील पाटनी, ललितकुमार, मुकेशकुमार, सुभाष पाटनी,अर्पित जैन,आयुष,पंकज आदि मौजूद रहें।

आत्म-जागरण व दृष्टिकोण के बदलाव से संभव है बुराइयों का अंतः प्रो. नरेश दाधीच

लाडनूं में आईसीएसएसआर के सहयोग से सामाजिक शांति पर दो दिवसीय इंटरनेशनल सेमिनार का शुभारम्भ

लाडनूं. शाबाश इंडिया

इंडियन कौंसिल ऑफ सोशियल साईंस रिसर्च (आईसीएसएसआर) के सौजन्य से यहां जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन शुक्रवार को सेमिनार हाल में किया गया। ह्यस्ट्रेंथनिंग दी इन्नेट अवेयरनेस ऑफ एफेक्शन एंड यूनिटीः ए क्वेस्ट फोर सोशल पीसह्न विषय पर आयोज्य इस अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार के शुभारम्भ सत्र के मुख्य अतिथि वर्द्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी कोटा के पूर्व कुलपति प्रो. नरेश दाधीच ने कहा कि शांति कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे प्राप्त किया जा सके, बल्कि शांति तो वह है, जिससे हर चीज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अंशाति व संघर्ष जीवन के लिए प्राकृतिक होते हैं। संघर्ष के निवारण करने का तरीका शांति है। उन्होंने शांति स्थापना के लिए किसी कानून, तंत्र या सशक्त शासक की आवश्यकता के बजाय आत्म-परिवर्तन को आवश्यक बताया। मन, वचन व कर्म से किसी का बुरा नहीं करने का रास्ता महात्मा गांधी ने अहिंसा के लिए बताया था और सत्याग्रह के रूप में विरोधी का भी बुरा नहीं करने का मार्ग दिखाया। प्रो. दाधीच ने बताया कि 80 प्रतिशत लोगों को शांति के लिए प्रेरित किया जा सकता है। यह आत्म-जागरूकता के द्वारा संभव है, जो वस्तुओं को देखने के दृष्टिकोण को बदल सकता है और यही जागरूकता ध्यान होती है। जागरूक व्यक्ति कभी बुराई नहीं करता है।

शांति के लिए स्वतंत्रता, समानता व भाईचारा आवश्यक

सेमिनार के मुख्य वक्ता ब्रिटेन के राजनीतिक वैज्ञानिक डा. चन्द्रदेव भट्ट ने आंतरिक शांति और बाह्य शांति के दो भेदों पर प्रकाश डाला और भारतीय दर्शन व पाश्चात्य दर्शन के दृष्टिकोणों के बारे में विस्तार से विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने आध्यात्म और भौतिकवाद पर प्रकाश डालते हुए समन्वय की जरूरत पर बल दिया तथा कहा कि वर्तमान में शिक्षा को जीवन से हटा कर जगत के विषयों पर आधारित कर दिया गया है, जबकि भारतीय मूल्यों में तत्वज्ञान से ऊपर उठ कर ब्रह्म और आत्मा के ज्ञान का विकास करके व्यक्ति व उसकी आत्मा को परिष्कृत करने पर बल दिया गया है। उन्होंने शांति की दिशा में स्वतंत्रता, समानता व भाईचारा की आवश्यकता बताई। विशिष्ट अतिथि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के पूर्व कुलपति प्रो. केएन व्यास ने कहा कि विज्ञान ने बहुत तरक्की कर ली है, लेकिन हिंसा व संघर्ष की समस्या सबके समाने है। भारत ने भी विज्ञान आर वैश्वीकरण की दिशा में बहुत काम किया है, लेकिन हिंसा के भाव प्रतिफलित भी हुए हैं। आज विश्व को स्नेह और एकता की आवश्यकता है। विश्व शांति की दिशा में सम्प्रदायवाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद और आतंकवाद की पांच समस्याओं को बहुत बड़ी बताई और कहा कि ये पांच विचारधाराएं शांति और एकता में रूकावट बनती है। उन्होंने गोष्ठियों, सम्मेलनों, संचार से विचारों का प्रसार करके इन पर काबू पाने की आवश्यकता बताई और कहा कि वातार्लाप व परस्पर सहयोग की भावना बढाई जानी चाहिए। सामाजिकरण के माध्यम से हर परिवार में शांति के भाव बढे और हिंसा के भाव मिटे, तभी विस्तारित रूप से अहिंसा काप्रस्फुटन हो सकता है।

सादगी, सदाचार एवं अहं का अभाव से ही सामाजिक समरसता संभव

सत्र की अध्यक्षता करते हुए जैविभा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि सामाजिक शांति स्थापना की दिशा में जैविभा संस्थान लगातार प्रयासरत है। यहां अहिंसा एवं शांति विभाग की स्थापना व पाठ्यक्रमों के साथ अहिंसा प्रशिक्षण, विभिन्न समुदायों-सम्प्रदायों की एकता के लिए प्रयास एवं अहिंसा यात्रा के रूप में सामाजिक समरसता व नशामुक्ति के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। उन्होंने संवाद और संचार को वैमनस्यता मिटाने के लिए महत्वपूर्ण बताया और आचार्यश्री महाप्रज्ञ की अहिंसा यात्रा के दौरान गुजरात दंगों के बावजूद उनके हिंसाग्रस्त क्षेत्रों में जाने और शांति स्थापना करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मनुष्य को स्वयं के, प्रकृति के और समाज के अलगाव से बचना चाहिए। विश्रृंखलता और नकारात्मकता से समस्याएं आती है। व्यक्ति को सभी प्रकार की असंगतता से बचना चाहिए। व्यक्ति में सादगी, सदाचार एवं अहं का अभाव होने से ही सामाजिक समरसता संभव है। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुमुक्षु शैफाली के मंगल संगान से किया गया। प्रारम्भ में प्रो. समणी सत्यप्रज्ञा ने अतिथि परिचय व स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। अंत में अहिंसा व शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने आभार ज्ञापित किया। डा. लिपि जैन ने सेमिनार का संचालन किया एवं विषय प्रस्तुतिकरण किया। इस अवसर पर काठमांडू नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय से डॉ. रोशन पोखरेल, गांधी दर्शन समिति नई दिल्ली के प्रो. ज्वाला प्रसाद, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के पूर्व कुलपति प्रो. रूपसिंह बारैठ, केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ हरियाणा के प्रो. राजीव सिंह, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतीहारी बिहार के प्रो. जुगल किशोर दाधीच, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के निदेशक प्रो. संतोष कुमार सिंह, प्रो. बजरंग सिंह राठौड़, बीकानेर, डूंगर कॉलेज बीकानेर की प्रो. साधना भंडारी, सुबोध कॉलेज जयपुर की प्रो. शैफाली जैन, प्रो. नलिन के. शास्त्री, प्रो. बीएल जैन, डा. प्रद्युम्नसिंह शेखावत, डा. आभासिंह, डा विनोद कस्वा, पंकज भटनागर, दीपाराम खोजा, राजेन्द्र बागड़ी, मोहन सियोल, जगदीश यायावर, डा. वीरेन्द्र भाटी आदि प्रमुख विद्वान उपस्थित रहे।

प्रेषक-शरद जैन सुधांशु, लाडनूं

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

हुई मोक्षकल्याणक की क्रियाएं, वेदी में विराजे श्रीजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव का समापन रविवार को श्रीजी को नवीन वेदी में विराजमान करने के साथ हुआ इस मौके पर आसपास को क्षेत्र श्रीजी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष अष्विनी जैन व मानद मंत्री अमित गोधा ने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन कापफी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं पहुंचे और महोत्सव की क्रियाओं को देख भाव विभोर हो उठे। महोत्सव के तहत सर्वप्रथम ध्यान मंगलाष्टक के बाद द्वाविंषतिका आषीर्वाद के बाद केवलज्ञान व मोक्ष कल्याणक पूजा की गई। इस मौके पर पूजा में बैठे श्रद्धालु आया मंगल दिन मंगल अवसर...रोम-रोम से निकले प्रभुवर नाम तुम्हारा...वीर भज लेकृजैसे भजनों की स्वर लहरियों पर भाव विभोर होकर नाचे। इसके बाद बाद विष्व शांति महायज्ञ जिसमें श्रद्धालुओं ने विष्व में शांति की कामना के लिए मंत्रोच्चारण के बीच यज्ञ में आहुतियां दी। इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि इस तरह के आयोजन मनुष्य को धर्म से जोड़ते है और हमारे परिणामों में पुण्य का संचार करते है,हम सभी इन धार्मिक आयोजनों मे बढ़-

चढ़कर भाग लेना चाहिए। प्रचार संयोजक रितेष जैन व शुभम शाह ने बताया कि ने बताया कि इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य डॉ.आनंद प्रकाष जैन कोलकाता वालों ने विधि विधान से श्रीजी को नवीव वेदियों में विराजमान कराया। इस दौरान आसपास का क्षेत्र श्रीजी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस मौके पर षिखर पर मंगल कलष की स्थापना की गई। अंत में विसर्जन और सम्मान समारोह के साथ समापन हुआ।

राष्ट्रीय विनयांजलि सभा में भक्तों ने आचार्य को दी भावभीनी विनयांजलि

आचार्य श्री के विराट व्यक्तित्व में सभी के कल्याण की भावना थी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जैन समाज के शीर्ष संत परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के ब्राह्मलीन होने पर देशभर में राष्ट्रीय विनयांजलि सभाओ की श्रंखला में अशोक नगर में श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में गंज में विशाल विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया है सभा के प्रारंभ युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर के मंगल गान के साथ हुआ इसके बाद आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीपप्रज्जवलन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा पंचायत कमेटी के उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संयोजक उमेश सिघई मनीष सिघई मनोज रन्नौद सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया।

देशभक्ति और राष्ट्रीयता की भावना आचार्य श्री के सन्देशो स्पष्ट झलकती है-ए एस पी कंवर

विनयांजलि अर्पित करते हुए एक ए एस पी गजेन्द्र सिंह कंवर ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने ब्रह्म लीन होने के लिए जिस पवित्र भूमि को चुना उसी माटी से आने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ है उनके हर उपदेश में बहुत गहरा होती थी

उनके सन्देश यूं टूव में देखकर मैं ने रात्रिभोजन को ऐवाट करना कई साल पहले शुरू कर दिया था मुझे अपने देश के प्राचीन काल की सभ्यता और संस्कृति को देखने का सौक है हम लोग थूवोनजी मेले में भी गये थे वह आचार्य श्री विद्यासागर सभागार को देख कर लगा ये महामना यहां भी आयें तव कमेटी ने वताया कि उनका यहां लम्बा प्रवास हुआ उनके उपदेश में राष्ट्रीयता की भावना झलकती थी देश भक्ति और राष्ट्र भक्ति की भावना जागृत करना किसी संत के मुख से सुनना हंट करता है।

आचार्य श्री के साथ ही एक युग का अंत होते हुए हम सब ने देखा हैं: विजय धुर्रा

सभा के प्रारंभ में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य भगवंत के ब्रह्म लीन होने के साथ ही एक युग का अंत हो गया उन्होंने देश में आध्यात्मिक चेतना के साथ चारित्रिक शंखनाद किया इसी का परिणाम रहा कि भरी जवानी में सैकड़ों उच्च शिक्षित युवाओं ने संयम की राह का अंगिकार कर मोक्ष मार्ग पर चल निकले थूवोनजी के महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि आचार्य श्री ने थूवोनजी में दो बार चातुर्मास कर ये जगत को सन्देश दे दिया कि दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कितना बढ़ तीर्थ है जहां जैन समाज के सर्वोच्च संत एक नहीं दो वर्षा वास किए। समाज के महामंत्री राकेश अमरोद ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की कृपा अशोक नगर समाज पर हमेशा ही वरषतई रही मुझे व्यक्तिगत रूप से भी उनके पास जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ हम लोग थूवोनजी कमेटी व अशोक नगर समाज के साथ जव भी गुरु महाराज के पास पहुंच हमेशा ही बहुत आशिर्वाद प्राप्त हुआ विमल कुमार कोटिया ने कहा कि आचार्य श्री अशोक नगर में एक दिन के लिए जुलाई उन्नीस सौ उन्यासी में आये थे उनसे हमने अगले दिन के प्रवचन का निवेदन किया तो आचार्य श्री वोले जिसके वीच में रात उसकी क्या बात और शाम को थूवोनजी की ओर विहार कर दिया युवा वर्ग की ओर से हेमंत टडैया ने कहा कि आचार्य श्री का विशाल व्यक्तित्व इसी वात से समझा जा सकता है कि उनके जीवन पर छप्पन पी एच डी हो चुकी है उनकी त्याग तपस्या जग से निराली थी।

आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के संलेखना पूर्वक समाधि-मरण पर विनयांजली एवं सर्वधर्म सभा में किया गुणानुवाद

आवा. शाबाश इंडिया

गोपाल चोक आवा में आज दोपहर 1. बजे, प्रातः स्मरणीय संत शिरोमणी आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के संलेखना पूर्वक समाधि-मरण पर विनयांजली एवं गुणानुवाद सभा रखी गई जिसमें उपस्थित साधर्मी बन्धुओं ने आचार्यश्री के सानिध्य में बिताये अविस्मरणीय क्षणों को अश्रुपूरित एवं अवरूद्ध कंठों से सभा में सुनाया। जिनमें पूर्व कृषि मंत्री एवम राजस्थान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभुलाल सैनी ने बताया कि आज भी उनके आदर्श हमारे दिलो दिमाग में जीवंत है, 2020 के आचार्य श्री के दर्शन का संस्मरण सुनाते हुए बताया कि उनके चरण छूने से जो उर्जा प्राप्त हुई वह अकल्पनीय है। साथ ही आवा सरपंच दिव्यांश महेन्द्र भारद्वाज ने बताया कि आवा में हमने लाइब्रेरी का नाम विद्यासागर जी महाराज के नाम पर रखा है और आचार्य श्री के जीवन के त्याग,तपस्या, और उनके द्वारा किए गए कार्य को भी उन्होंने विस्तार से बताया ग्रामवासियों में सुरेंद्र सिंह , अंशुल शर्मा ,पुरुषोत्तम एवम प्रमोद जी स्वर्णकार और समाज के नोरत ,हेमंत पवन अशोक जैन ने आचार्यश्री की जीवनी पर प्रकाश डालते हुये बताया कि आचार्यश्री को युग शिरोमणी क्यों कहते है क्योंकि पूरे भारत में वे ही एक एसे संत है जिन्होने सबसे ज्यादा दीक्षा दी है, इनका पूरा संघ बाल ब्रहमचारी है, पूरे परिवार ने दीक्षा लेकर संयम का रास्ता अपनाया है, आचार्यश्री के सानिध्य में लगभग 70-80 समाधियां हो चुकी है, आचार्यश्री के अनगिनत त्याग है जिनकी लिस्ट काफी लम्बी है, सैकडों मन्दिरों का जीर्णोद्धार करवाया, लोकोपकारी कार्यो में कई जगह गौशालाऐं, आयुर्वेदिक अस्पताल, पाठशालायें, छात्रावास आदि संचालित करवाये। सम्पूर्ण देश में हर जाति समुदाय में विशेष आदर और भक्ति पाने वाले अनुपम संत थे, ऐसे अद्वितीय ज्ञान तप धर्म की प्रेरणा देने वाले मोक्षधारी संत के चरणों में कोटि-कोटि बार चरण वंदन करते है। महिला मण्डल, की सदस्याओं ने कविताओं के माध्यम से आचार्यश्री का गुणानुवाद किया। सभी ने आचार्यश्री की सामूहिक आरती की, तत्पश्चात दो मिनट का मौन एवं णमोकार मंत्र का जाप कर सभी ने अपनी अश्रुपूरित विनयांजली दी। गुरु जी का आदर्श और मार्गदर्शन युवाओं को प्रेरित करता है इन्हीं की प्रेरणा से छोटे से गांव में युवा आशीष जैन ने आत्मनिर्भर भारत और गुरुदेव की आत्म भावना के तहत विधाशीष हथकरघा का संचालन किया। सभा का संचालन विद्याशीष हथकरघा आवा के चेयरमैन आशीष जैन आवा ने किया। उन्होंने बताया कि आचार्य श्री जनसंत थे और उन्होने अपने जीवन में जो नैतिक आदर्श, और स्व के साथ पर के कल्याण का मार्ग ही श्रेष्ठ मार्ग है। सभा में राकेश सामरिया,दीपक बड़ा बोहरा, आशीष बोरखंडिया , मनीष ठग कमल गोयल ने भी अपने विन्यांजली अर्पित की ।

उप जेल धरमपुरी में विद्यासागरजी महाराज को विनयाजंलि देकर आचार्य वर्धमानसागरजी महाराज का 56वां सयंम दिवस मनाया गया

दीपक प्रधान. शाबाश इंडिया

धामनोद। मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था धामनोद तथा निमाड़ महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में उप जैल धरमपुरी में बन्दी भाइयों के बीच समाधिस्थ महामुनिराज श्री विद्यासागरजी महाराज को भावभीनी विनयाजंलि प्रदान की गई व साथ मे महान संत वात्सलय वारिधि महामुनिराज आचार्य वर्धमानसागरजी महाराज का 56 वा सयंम दिवस भी मनाया गया। समर कंठाली इन्दोर के सौजन्य से फल वितरण किए गए। जेल अधीक्षक महालक्ष्मी, अन्नपूर्णा संस्था अध्यक्ष दीपक प्रधान, उपाध्यक्ष विजय नामदेव, महेश जैन, अशोक प्रधान, महिला मंडल अध्यक्ष प्रभा प्रधान ने बंदियों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रेरक संबोधन दिए। विनीता जैन, रुपाली जैन द्वारा समाधि भावना का पाठ किया गया। इस अवसर पर जेलर को 2 तस्वीर विद्यासागरजी एवं वर्धमानसागरजी महाराज की तथा भावजंलि काव्य का सम्मान पत्र भी दिया गया जो बंदियों को प्रेरणा वचन हेतु जेल परिसर में लगाए जायेंगे। इस अवसर पर शशि श्रीवास्तव, कबिता तोमर रिया तोमर व जेल कर्मी पाटीदार अन्य सुरक्षा सैनिक व 102 के बंदी भाई भी उपस्थित रहे। अंत में 2 मिनट का मौन रखकर सभी के द्वारा श्रधांजलि अर्पित की गई ।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग द्वारा विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं दिगम्बर जैन समाज श्योपुर इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रति विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर रमेश जैन एवं कैलाश जैन ने आचार्य श्री का चित्र अनावरण का सौभाग्य प्राप्त किया। अमर चंद सेठी एवं मिट्ठूलाल ने दीप प्रज्वलनकर पुण्यार्जन किया। मंगलाचरण पश्चात भावपूर्ण विनयांजलि में पवन कुमार निवाई वालों ने आचार्य श्री का जीवन परिचय दिया,भागचंद मित्रपुरा वालों ने आचार्य श्री के विभिन्न प्रकल्पों से परिचित कराया। दीपेश जैन ने उनके संघ के अनुशासन पर जोर दिया,मधु जैन ने स्वयं त्याग का संकल्प लिया।कैलाश जैन,राजेश पाण्डया, प्रवीण कुमार जैन, मिट्ठूलाल, प्रशांत पाण्डया,राकेश पाटनी ने आचार्य श्री के त्याग तप और संयम पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। सुशीला पाण्डया,इन्दु दोषी, विनोद जैन, रमेश जैन, ने आचार्य श्री की आध्यात्मिक एवं उनके अंतर एवं बाह्य व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।एक छोटी सी बालिका हेतवी जैन ने एक सुन्दर भजन तोतली बोली में प्रस्तुत किया।श्योपुर समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी ने आचार्य श्री को इस युग के तीर्थंकर का अवतार बताया। अशोक कुमार पापड़ीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया मंच संचालन सांगानेर संभाग के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन मलैया ने किया।अंत में शांति पाठ के साथ में सभा विसर्जित की गई।

आचार्य विद्यासागर महाराज को विनयांजली दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय जैन समाज द्वारा रविवार को मुनिद्वय अर्चित सागर महाराज व वैराग्य सागर महाराज के सानिध्य में मुख्य बाजार स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर स्थित समवशरण भवन में आयोजित सभा में आचार्य विद्यासागर महाराज को भावभीनी विनयांजली दी गई। सभा में विधायक रामस्वरूप लांबा, नगर पालिका,अध्यक्ष अनिता मित्तल, पंडित कोमलचंद जैन शास्त्री, एडवोकेट अशोक जैन ,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ चालक एडवोकेट संदीप अग्रवाल, ब्रिगेडियर शिशिर जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश मेहरा,कान्ता बडजात्या व कमला सेठी ने आचार्य विद्यासागर महाराज को सदी का महान संत बताते हुए उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने की बात कही तथा उनके देवलोकगमन को देश व समाज के लिए अपूर्णनीय क्षति बताया। सभा में पंडित कोमलचंद जैन ने बताया कि आचार्य विद्यासागर महाराज देश के पहले ऐसे संत थे जिन्होंने 130 मुनिराजो, 172 आर्यिकाओं ,20 एलक ,14 क्षुल्लकगणो सहित 500 जनों को दीक्षा देकर मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर किया। आचार्य विद्यासागर ने मूक माटी महाकाव्य सहित कई रचनाओं का सृजन किया। सभा में मिकी पाटनी ने पांचबत्ती चौराहे को पंच परमेष्ठी चौराहा घोषित करने व एडवोकेट अशोक जैन ने नगर पालिका क्षेत्र में आचार्य विद्यासागर महाराज के नाम पर सर्किल बनाने की और विधायक लांबा का ध्यान आकर्षित किया। सभा में अग्रवाल संघ नसीराबाद, ओसवाल समाज नसीराबाद,व भारत विकास परिषद की ओर से आए विनयांजली संदेशों का वाचन किया गया।

आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की विन्यांजलि सभा में उमड़े श्रद्धालु

पूरे विश्व में हो रही विन्यांजलि सभाओं की कड़ी में जयपुर में 50 से अधिक मंदिरों में हुई विन्यांजलि सभाएं- आदिनाथ भवन मीरा मार्ग पर दिखाई डाक्यूमेंट्री फिल्म

जयपुर. शाबाश इंडिया

युग दृष्टा, महामनीषी, दीर्घकाल संयमी संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महामुनिराज के उत्कृष्ट संलेखना के साथ समतापूर्वक समाधि मरण पर जयपुर सहित पूरे देश में जगह जगह जैन धर्मावलंबियों द्वारा विन्यांजलि सभाओं का आयोजन किया गया। इस सभाओं में जैन अजैन बन्धुओं ने बड़ी शामिल होकर संत शिरोमणी आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के चरणों में शब्दों के माध्यम से विन्यांजलि प्रस्तुत की। राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि संपूर्ण विश्व सहित भारतवर्ष में रविवार, दिनांक 25 फरवरी को एक साथ दोपहर 1 से 3 बजे तक विन्यांजलि सभाऐं हुई। जयपुर में 50 से भी अधिक जैन मंदिरों में आयोजन किये गये। इसी कड़ी में श्री आदिनाथ भवन मीरा मार्ग, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर पर भी रविवार को दोपहर 1.00 बजे से सामूहिक विन्यांजलि सभा का आयोजन किया गया। मंगलाचरण के बाद आचार्य श्री के चित्र के समक्ष पं. शीतल चन्द जैन, रमेश तिजारिया, पदम बिलाला, प्रदीप जैन, राजेन्द्र सेठी,सुनील बैनाडा, जम्बू सोगानी, अशोक सेठी ने दीप प्रज्जवलन किया गया। अनिल छाबड़ा, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, धीरज पाटनी, मनोज पाटनी सहित अन्य वक्ताओं ने आचार्य श्री के जीवन चरित्र, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। अपने संस्मरण सुनाए। समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया

एवं महामंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इस मौके पर चन्द्रगिरी डोंगरगढ में आचार्य श्री पर दिखाई जाने वाली डाक्यूमेंट्री फिल्म भी विडियो द्वारा दिखाई गई । राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक विन्यांजलि सभा में मंदिर कमेटियों, महिला मण्डल, युवा मण्डल, जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सहित अन्य जैन संगठनों के प्रतिनिधि, श्रावकगण, राजनेता, प्रशासनिक अधिकारी एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्री जैन के मुताबिक शहर के सूर्य नगर, सिद्धार्थ नगर, चौमू बाग, दुर्गापुरा, मालवीय नगर, 10 बी स्कीम, राधा विहार, करघनी स्कीम झोटवाडा, कल्याण नगर, श्योपुर, मंदिर खिन्दुकान, दीवान जी का मंदिर, मंदिर संघीजी सांगानेर सहित 50 से अधिक मंदिरों में विन्यांजलि सभा आयोजित की जाकर आचार्य श्री का गुणानुवाद किया गया।

विज्ञातीर्थ गुन्सी में मनाया गया गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी का 30वां दीक्षा दिवस महोत्सव

आचार्य विद्यासागर जी महाराज की समाधि पर अंतर्राष्ट्रीय सामूहिक विनयांजलि का हुआ आयोजन

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) के तत्वावधान में प. पू. राष्ट्रसंत गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी महामुनिराज की सुविज्ञ शिष्या प. पू. भारत गौरव, पुरातत्व रक्षिका गणिनी आर्यिका 105 श्री विज्ञाश्री माताजी का 30 वाँ दीक्षा दिवस महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। चित्र अनावरण कर्त्ता भागचंद कासलीवाल, गुहाटी वालों के साथ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टोंक जिला प्रमुख सरोज बंसल द्वारा गुरूदेव विराग सागर जी एवं विद्यासागर जी महाराज की छायाचित्र का अनावरण किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य विमलचंद अजमेरा, किशनगढ़ वालों ने प्राप्त किया। इस अवसर पर गुन्सी ग्राम के सरपंच साहब एवं सेकेट्री भी पूज्य गुरू माँ का आशीष प्राप्त करने हेतु पधारे। गुरूमाँ के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य विवेक विहार, जयपुर समाज ने प्राप्त किया। गुरूमाँ के कर कमलों में शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य सुशील जी विकास काला जापान वाले विवेक विहार, जयपुर एवं वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य सुरेन्द्र पाटनी जयपुर वालों को प्राप्त हुआ। 30 वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष्य में गुरूमाँ के चरणों में 30 शास्त्र भेंट किये गये अष्ट द्रव्यमय पूजन की गई।

महिला जागृति संघ जयपुर द्वारा विनयांजलि सभा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महा मुनिराज के उत्कृष्ट संलेखना के साथ समतापूर्वक समाधि मरण पर महिला जागृति संघ जयपुर की तरफ से बड़े दीवान जी के मंदिर प्रांगण में विनयांजलि सभा रखी गई। जिसमें अध्यक्ष श्रीमती शशी जैन ने बताया कि हम संस्था से 15बर्षों से 120या कभी 125सदस्यों के साथ आचार्य श्री विद्यासागर के दर्शन के लिए जाते है। अनुपम दर्शन के साथ कैसे आचार्य श्री हमारे मन की पीड़ा को समझ कर पहले ही अपने प्रवचनों में हमारी समस्या का समाधान कर देते थे । मीरां पापडीवाल ने भी अपने विचार रखें। इसके साथ ही शशी जैन द्वारा विधासागर महाराज पर बनाए भजनों को सरोज छाबड़ा, साधना काला कुसुम ठोलिया, शशी जैन, बेला जैन, शारदा सोनी , सदस्यों द्धारा भजन गाए गए। संघ की मंत्री बेला जैन ने बताया की 2024में भी सदस्याओं को समाधि स्थल के दर्शन के लिए ले जाया जाएगा ।